मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के वास्तुकला विभाग की शोधार्थी को यूरोप-आधारित 'Rethinking Roofs' वैश्विक प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला

नई दिल्ली, 20 मई, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के वास्तुकला विभाग की शोधार्थी युसरा गुल को यूरोप-आधारित संगठन Inform2Build द्वारा नीदरलैंड्स के इरास्मस विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फॉर हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट स्टडीज' के साथ साझेदारी में आयोजित प्रतिष्ठित 'Rethinking Roofs – Global Competition' में दूसरा स्थान मिला है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कमजोर समुदायों के लिए आवास व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु नवीन वास्तुशिल्प और इंजीनियरिंग समाधान खोजना है।

प्रो. निसार खान और प्रो. हिना ज़िया के मार्गदर्शन में तैयार किए गए इस विजेता प्रोजेक्ट का शीर्षक है 'Borrowed Sky: Collective Roofscapes as Thermal Commons in Informal Settlements'। यह प्रोजेक्ट दिल्ली की अनियोजित बस्तियों में गर्मियों की भीषण गर्मी के प्रभाव को कम करने के लिए नवीन समाधान प्रस्तुत करता है। इस विजेता प्रोजेक्ट का चयन दुनिया भर से प्राप्त प्रविष्टियों के विशाल समूह में से किया गया। इसे दिल्ली की अनौपचारिक बस्तियों में 'हीट स्ट्रेस' (गर्मी के अत्यधिक दबाव) की सबसे गंभीर शहरी चुनौतियों में से एक का समाधान करने के अपने नवीन दृष्टिकोण के लिए चुना गया। इस प्रोजेक्ट की सराहना इसलिए की गई क्योंकि इसने ऐसी सरल और किफायती समाधान प्रस्तुत करके तात्कालिक तापीय चुनौतियों का समाधान किया है, जिन्हें समाज के वंचित वर्ग के लोग स्थानीय स्तर पर स्वयं लागू कर सकते हैं।

जामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ ने शोध टीम को बधाई देते हुए कहा कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया अपनी शोध गतिविधियों के माध्यम से 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. महताब आलम रिज़वी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शोध संस्थानों के लिए समाज सेवा सर्वोपरि होनी चाहिए, और यह पुरस्कार राष्ट्र निर्माण में जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा निभाई जा रही भूमिका का एक सशक्त प्रमाण है।

पुरस्कार के एक हिस्से के रूप में, शोध टीम के कार्य को 'World Urban Forum' में प्रदर्शित किया जाएगा और दुनिया के सबसे नवीन 'रूफिंग सॉल्यूशंस' को संकलित करने वाली एक आगामी पुस्तक में भी इसे स्थान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शोधकर्ताओं को नीदरलैंड्स में आयोजित होने वाले एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया है।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी